RNI: RAJBIL/2014/64287
ISSUE (अंक)-2021-05

Jayoti Vidyapeeth Women's University, Jaipur

Estd. in 2008
''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ''

मैं एक मनुष्य हूँ और जो कुछ भी मनुष्यता को प्रभावित करता है उसी से मेरा मतलब है।

- सरदार भगतसिंह

Jayoti Muhim

मासिक समाचार पत्र
May, 2021

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में मनाया गया स्थापना दिवस

21 अप्रैल 2021 को ज्योति विद्यापीठ महिला विश्विद्यालय में स्थापना दिवस मनाया गया ज्योति विद्यापीठ महिला विश्विद्यालय को 13 वर्ष पुरे हो चुके है 13 वर्ष पूर्व 21 अप्रैल 2008 को इस विश्विध्द्लाय की नींव विश्विध्द्लाय के संस्थापक और सलाहकार माननीय डॉ. पंकज गर्ग ने महिला शिक्षा और उनके विकास के लिए रखी गयी ! जिनकी सकारात्मक सोच और प्रोत्साहन के वजह से ही आज विश्वविद्यालय की हज़ारों छात्राओं के कई सपने साकार हुए हैं इसका उद्देश्य महिला शिक्षा के साथ साथ महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना भी है इन 13 सालों में विश्विद्यालय ने कई मुकाम हासिल किये और बालिकाओं के सपनो को साकार किया और हज़ारो छात्राएं अलग अलग क्षेत्र में अपनी सेवाएँ दे रही है विश्विद्यालय में अब तक 30000 से ज्यादा एनरोलमेंट्स, 116 से ज्यादा प्रोग्राम्स, 2381 से ज्यादा रिसर्च पेपर पब्लिश्ड , 60 से ज्यादा पेटेंट्स पब्लिशड ,500 से ज्यादा रिसर्च प्रोजेक्ट्स और 19 यूनिवर्सिटी स्टार्टअप हो चुके विश्विद्यालय को अब तक बहुत से पुरस्कारों से सम्मानित किया इसके साथ साथ विश्विद्यालय में हर महीने की 21 तारीख को जे वी मंत्रा डे सेलिब्रेट किया जाता है जिसमे विश्विद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण किया जाता है । इस दिन यहाँ सभी फैकल्टीज ने मिलकर पोधारोपण किया इसके साथ साथ वेस्ट मटीरियल से बने कपडे के बैग्स को बांटा और विश्विद्यालय के संस्थापक और सलाहकार माननीय डॉ. पंकज गर्ग ने सभी फैकल्टीज मेंबर्स के साथ आने वाले सेशंस और प्रोजेक्ट्स पैर चर्चा की !

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व होम्योपैथी दिवस

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ होम्योपैथी साइंस के अंतर्गत ''अंतरराष्ट्रीय होम्योपैथी दिवस '' मनाया गया । ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ होम्योपैथी साइंस के अन्तर्गत 10 अप्रैल 2021 को डॉ. हैनिमैन सभागार में 266 वा ''अंतर्राष्ट्रीय होम्योपैथी दिवस '' मनाया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन होम्योपैथी के डीन एण्ड डायरेक्टर जे.वी.एन. डॉ.एम.पी.शर्मा ने किया । इस कार्यक्रम के अतिथि डॉ. तारा प्रकाश यादव (रजिस्ट्रार,राजस्थान होम्योपैथिक चिकित्सा बोर्ड), डॉ . अर्पिता गुप्ता (होम्योपैथिक चिकित्सक) ने माँ सरस्वती और होम्योपैथी के जनक डॉ. क्रिश्चियन फ्राइडरिक सैम्यूल हैनिमैन जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण किया। विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ होम्योपैथी साइंस के डीन एण्ड डायरेक्टर ने अतिथि डॉ. तारा प्रकाश यादव, डॉ . अर्पिता गुप्ता को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया । तत्पश्चात् सभागार में उपस्थित गणमान्यों और छात्राओं ने सामूहिक रूप से वन्दे मातरम् गाया। इस कार्यक्रम मे डॉ. तारा प्रकाश यादव जी ने होम्योपैथी के जनक डॉ. हैनिमैन के बारे मे तथा होम्योपैथिक चिकित्सा एवं इसके सिद्धांत की महत्ता के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होंने प्रेज़न्टैशन के माध्यम से होम्योपैथी साइंस के द्वारा किस प्रकार से बड़ी बड़ी बीमारियों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया है इसकी जानकारी छात्राओं को दी ।.साथ ही उन्होंने विभिन्न प्रकार की बीमारियों और उनके इलाज के बारे मे बात की । इसके साथ-साथ छात्राओं ने विषय से सम्बन्धित प्रश्न पूछे । इस कार्यक्रम मे नया सवेरा एनजीओ द्वारा होम्योपैथी चिकित्सा मे उत्कृष्ट योगदान हेतु ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ होम्योपैथी साइंस की फैकल्टी सदस्यों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र कार्यक्रम के अतिथी डॉ. तारा प्रकाश यादव द्वारा दिया गया । डीन एण्ड डायरेक्टर जे.वी.न. डॉ. एम.पी.शर्मा को लाइफ टाइम अचिवमेंट अवार्ड मिला ।इस के साथ- साथ विभाग के डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. रश्मि अग्रवाल ,डॉ. रमेशचंद शर्मा ,डॉ. मीनाक्षी सोनी , डॉ.रवि जैन , डॉ. अजय कुमार जटोलिया , डॉ. पुष्पा कुमावत ,डॉ अर्चना वर्मा डॉ. ऋतु शर्मा ,डॉ. मोना पाठक, डॉ. कंचन अटोलिया एवं इसके साथ साथ मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुखविंदर कौर, डॉ. जेवा निशाद, डॉ. सुशीला चौधरी , डॉ. सभी को अवार्ड प्रदान किये गये । विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ होम्योपैथी साइंस के डीन डायरेक्टर, अध्यापकगण, मेडिकल ऑफिसर एवं छात्राए भी उपस्थित रहे।

अधंविश्वास

अंधविश्वास एक ऐसा शब्द है जिसे सुनते ही हमारे मन में गरीब, अनपढ़ जैसे ख्याल आते हैं। पर सचाई इससे कहीं ज्यादा अलग है। अंधविश्वास केवल इन लोगों में ही नहीं होती, बहुत से पढे-लिखे लोग भी अंधविश्वाशी होते हैं। आदि काल से लोग तंत्र-मंत्र, जादू-टोनो में विश्वास करते आ रहे हैं, पर जैसे-जैसे जागूकता बढ़ती गई लोगों का धीरे-धीरे इनमें से विश्वास उठता गया, पर हम ये भी नहीं कह सकते की ये जड़ से गायब हो गया है। हम अभी विज्ञान के युग में जी रहे हैं, पर अब भी हमारे देश में बहुत से लोग हैं, जो इन बातों में विश्वास रखते हैं, न केवल हमारे देश के लोग बल्की बहुत से और देश के लोग हैं, जो अंधविश्वास को मानते हैं। अंधविश्वास की जड़ें अज्ञानता से निकलती हैं, हम इसे जाति, धर्म, रंग, क्षेत्र के आधार पर परिभाषित नही कर सकते। जहां ज्ञान का लोप होता है, वही से अंधविश्वास शुरू होता है।

World Earth Day

World Earth Day is the day dedicated to the integral role of earth in our lives and is celebrated on 22nd of April. Due to the depletion of Natural resources, the need for celebrating a day for the earth is necessary. Deforestation, Global Warming, Pollution, etc. are the major issues of the world, for fighting against these issues celebration of Earth Day is necessary. In the desire for a prosperous life, man-made activities are depleting the quality of the environment.

UN Senate realized the need for awareness among people for preserving nature, so he originated a special day for reminding the role of earth. Growing population is also of the reason behind depleting the quality of nature. Man-made construction sites are degrading the balance of nature; it is one of the major reasons for celebrating World Earth Day. The main focus of the world earth day celebration is to protect the earth from pollution and other harmful elements. For reminding the importance of earth and its gift of nature, World earth Day is commemorated annually.

World Health Day

April 7 of each year marks the celebration of World Health Day. From its inception at the First Health Assembly in 1948 and since taking effect in 1950, the celebration has aimed to create awareness of a specific health theme to highlight a priority area of concern for the World Health Organization.Over the past 50 years this has brought to light important health issues such as

mental health, maternal and child care, and climate change. The celebration is marked by activities which extend beyond the day itself and serves as an opportunity to focus worldwide attention on these important aspects of global health. The World Health Organization chooses to highlight a special theme current in the wellness and medical world. Ranging from mental health to insurance and everything in between, this day sets the tone for what's to come in the world stage. This year's World Health Day shines a light on nurses and midwives, the on-the-call, restless workforce that revolutionized the healthcare industry as we know it today.

क्या है लव जिहाद ?

(Article by Prity Ranolia)

लव जिहाद का विषय एक बहुत ही गंभीर मुद्दा बन गया है लव जिहाद जैसे शब्द को केवल भारत ही नहीं बल्कि भारत से बाहर भी कई देशो में इस्तेमाल किया जाता जाता है लव जिहाद मूल रूप से दो शब्दों से मिलकर बना है लव एवं जिहाद। लव का मतलब है प्रेम करना यानि कि अपनी भावनाओ, सुरक्षा, व्यवहारों, विश्वासों का एक-दूसरे से मेलजोल ही लव कहलाता है और दूसरा शब्द है जिहाद जो एक अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है किसी भी अच्छे काम के लिए प्रयास करना।इसमें भी दो तरह के जिहाद होते है एक है ,जिहाद -अल -अकबर जिसमे अहिंसा का प्रयोग करके आध्यात्मिक रूप से कार्य किया जाता है और दूसरा है , जिहाद-अल -असगर जिसमे हिंसात्मक तरिके से संघर्ष करके कोई कार्य किया जाता है। आज के समय में जो जिहाद चल रहा है वो जिहाद -अल-असगर। लव जिहाद का मतलब मन जाता है कि इस्लामिक समुदाय के कुछ लोग अपनी पहचान छुपा कर दूसरे धर्मों कि लड़कियों को प्यार के झांसे में लेकर जबरदस्ती उनका धर्म परिवर्तन करा रहे है जिससे वे इस्लाम धर्म को बढ़ावा दे रहे है और लड़कियों को यौन उत्पीड़न का शिकार बनाया जाता है।श्लव जिहादश का मुद्दा आज कल बहुत अधिक चर्चा में है भारत के कई राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, केरल आदि द्वारा इस पर कानून लाने कि बात कही जा रही है जिसमे उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा तो हाल ही में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश 2020 नामक एक ड्राफ्ट जारी किया गया है जिसमे गैरकानूनी धार्मिक परिवर्तन एवं इंटरफेथ मैरिज ,एक लड़की के केवल धर्म को बदलने के एकमात्र विवाह कराया जाता है तो इस अपराध के लिए 10 साल कि सजा दी जाएगी एवं उस शादी को शुन्य यानि अमान्य घोषित किया जायेगा तथा सजा के तो पर जेल तथा जुर्माना भी देना होगा। यह कानून उत्तर प्रदेश में कानून एवं व्यवस्था को बनाये रखने,महिलाओ के लिए न्याय खास तौर पर अनुसूचित जाती एअव्म अनुसयचित जनजाति कि महिलाओ के लिए लाया गया है।लव जिहाद के 100 से ज्यादा मामलो के देखे जाने के बाद यह लाया गया है जिसमे जबरदस्ती, गैर-ईमानदारी से, झूठ बोलकर धर्म परिवर्तन कराया गया है जोकि कानून के खिलाफ है। केंद्र द्वारा संसद को कहा गया कि लव जिहाद जैसे तथ्य का मौजूदा कानूनों में वर्णन नहीं किया गया है और न ही इस तरह के कोई के सेंटर एजेंसी द्वारा दर्ज किये गए है जनगणना में अन्तर धार्मिक विवाहो कि गणना नहीं कि गयी है और न ही इस तरह कि शादियों के लिए कोई राष्ट्रीय सर्वेक्षण किया गया है।

लव जिहाद का इतिहास

1927 में मुजफ्फरपुर में पहली बार लव जिहाद जैसा कोई मामला सामने आया जिसमे जबरन लड़की का धर्म परिवर्तन कराया गया और एक मुस्लिम के साथ उसकी शादी करा दी गयी, 1924 में बनारस में एक हिन्दू महिला द्वारा अपने पति को छोड़कर एक मुस्लिम शख्स के साथ शादी कर ली गयी, अप्रैल 1920 में झाँसी में एक मुस्लिम द्वारा घर में वेश्या रख ली गयी महिला पहले हिन्दू थी और बाद में धर्म परिवर्तन कर वह मुस्लिम बन गयी तब काफी बवाल हो गया इस तरह के कई मामले सामने आये। लव जिहाद के इस मामले कि शुरुआत उसी दौर में शुरू हो गयी थी लेकिन लव जिहाद 2009 में राजनैतिक बहस में अधिक चर्चा मेंआया, तब केरल में इस मामले को लेकर हिंदूवादी संगठनों द्वारा मांग उठायी गयी तथा लव जिहाद को एक महत्वपूर्ण विषय बनाया गय। लव जिहाद का मुद्दा केवल हिन्दू और मुस्लिम इन्ही दो धर्मों के बीच का ही नहीं है बल्कि दूसरे धर्म के लोगो द्वारा भी इसकी शिकायत कि गयी है। केरल चर्च द्वारा ईसाई लड़कियों को लव जिहाद में फ़साने के कई मामले सामने आये है।

तेजी से बढ़ रही चीन की अर्थव्यवस्था, कुशल एवं सस्ते श्रम की नीति रही सफल

(Article by Prity Ranolia)

छुनिया के देशों से मानो चीन की होड़ लगी है। वित्तीय दौड़ में चीन जल्द से जल्द दुनिया के सभी देशों के पछाड़कर सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का चाह में है। पिछले कई दशकों से चीन की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से बढ़ी है और आज चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वर्तमान में चीन दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक हैं और विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला सबसे बड़ा देश है। चीन ने पिछले 70 सालों में बहुत ही तेजी से आर्थिक वृद्धि की है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के हिसाब से 1990 में भारत और चीन की जीडीपी लगभग समान थी। लेकिन आज चीन और भारत की जीडीपी में जमीन आसमान का अंतर है। आज जहां चीन की जीडीपी 14.5 ट्रिलियन डॉलर है वहीं भारत की जीडीपी 3 ट्रिलियन डॉलर ही है। इतनी तेजी से बढ़ती जीडीपी को देख माना जा रहा है कि चीन जल्द ही अमेरिका की 20 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी को भी पार कर देगा।

रूस और अमेरिका जैसे देशों ने प्राकृतिक संसाधनों जैसे तेल और गैस से अपना आर्थिक आधार बनाया। कम संसाधन होने के कारण चीन के लिए प्राकृतिक संसाधनों का ज्यादा उपयोग करना मुमकिन नहीं था इसलिए चीन ने मानव संसाधनों की मदद से देश की अर्थव्यवस्था को विकसित किया। चीन ने ज्यादा से ज्यादा कृषि विभाग, कपड़ा उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक उद्योग, प्रौद्योगिकी उद्योग तथा सेवा क्षेत्रों में काम करना शुरु कर दिया। चीन के राजनेता देंग शियाओपिंग ने देश की अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए कृषि क्षेत्र पर ध्यान दिया गया और कृषि भूमि पर सरकार का नियंत्रण हटकर इसकी जगह निजी खेती को तथा किसानों को प्रोत्साहन दिया गया। यह नीति बहुत अधिक सफल रही। जहां चीन अकाल का सामना कर रहा था वहीं अब खाद्य अधिशेष बन गया। डोंग ने टॉप डाउन की जगह बॉटम अप यानी कि ऊपर से नीचे की बजाय नीचे से ऊपर बढ़ने के कृष्टिकोण को अपनाया। देंग ने माओ की नीति को बदलकर शिक्षा पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान दिया। 1978 में जहां 1.65 लाख लोग अंडर ग्रेजुएट थे वहीं 1990 में 9.5 लाख हो गए। इसके बाद 1990 के दशक में कृषि के व्यावसायीकरण को बढ़ावा मिला और चीन कपास का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया और चीन के कपड़ा उद्योग में भारी वृद्धि हुई। जिससे 1993 में कपड़ों की वृद्धि दर 95 प्रतिशत हो गया। इसके बाद सस्ते तथा कुशल श्रम की सहायता से चीन ने लगातार वृद्धि की। इन्हीं नीतियों के चलते चीन ने बहुत ही तेजी से अर्थव्यवस्था में वृद्धि की।